अर्श जीवन कैप्सूल™

खूनी व बादी बवासीर,गुदा के मस्से,
भगन्दर की सफल एवं सुरक्षित आयुर्वेदिक औषधि

पैकिंग – 10x2 ब्लीस्टर

पैकिंग – बाटल में 21 कैप्सूल

फार्मूला :- बेल गिरी 40 मिग्रा. बड़ी हर्र 40 मिग्रा. सफेद चित्रक की छाल 40 मिग्रा. काली मिर्च 30 मिग्रा. छोटी पीपल 30 मिग्रा. सोंठ 30 मिग्रा. शुद्ध जयपाल 01 मिग्रा. रीठे के छिलके का कोयला 40 मिग्रा. कत्था 30 मिग्रा. जिमी कन्द 40 मिग्रा. शुद्ध मैनसिल 20 मिग्रा. सफेद चन्दन का बुरादा 30 मिग्रा. रसौत 40 मिग्रा. नीम की निम्बौली की गिरी 40 मिग्रा. कान्त लौह भस्म 40 मिग्रा. बकायनकी छाल 14 मिग्रा. आम की गिरी 40 मिग्रा. अरलू की छाल 40 मिग्रा. शुद्ध भिलावां 25 मिग्रा. बाय बिडंग 40 मिग्रा.

गुण :- खूनी एवं बादी बवासीर को शीघ्र ठीक करता है। विशेष बवासीर रोग में अग्नि मान्द्या हो जाता है, पेट में गैस की उत्पत्ति होती है। तथा शौच साफ नहीं होती है, और मलावरोध बना रहता है यकृत (लीवर) कमजोर हो जाता है जिससे पित्त के स्त्राव कम हो जाता है, तथा पाचन क्रिया कमजोर हो जाती है और मलद्वार पर चिलकन व दर्द की शिकायत होने लगती है, शौच के समय अधिक बल लगाने पर मस्से फट जाते है, जिससे खून का टपकना शुरू हो जाता है। इस प्रकार के रोग को खूनी बवासीर कहते हैं।

मात्रा :- 1–1 कैप्सूल दिन में तीन बार चार सप्ताह तक ताजे जल से सेवन करें।

परहेज :- तेल, घी की तली चीजें तथा गरिष्ठ एवं बादी चीजों का सेवन जैसे चावल, उरद की दाल एवं देर से पचने वाले भोज्य पदार्थों का सेवन न करे, नमक, खटाई, मिर्च का सेवन कम से कम करें।

नोट :- सुबह उठकर अधिक जल पियें फिर थोड़ा टहलना चाहिये जब शौच की इच्छा हो तब जांए, शौच के समय अधिक बल न लगाए, शौच क्रिया आराम से करें।

कब्जियत के लिए शरीर शोधन चूर्ण अवश्य प्रयोग करें।

(A G.M.P Certified Company)

लाभ न होने पर वापस

अर्श जीवन कैप्सूल

खूनी व बादी बवासीर (Piles) के लिए
बवासीर का आपरेशन अब जरुरी नहीं।
से सफलता पूर्वक लाभ पाइये।